5. निम्नलिखित में से **किन्हीं तीन** की व्याख्या कीजिए- (10×3=30)

Explain **any three** of the following:

(i) चित्तवृत्ति

Chittavritti

(ii) ध्यान

Dhyana

(iii) तपस्या

Tapasya

(iv) नियम

Niyama

(v) श्रवण

Hearing

(vi) ईश्वरप्रणिधान

Ishvarpranidhana

[This question paper contains 4 printed pages.]

Your Roll No.....

आपका अनुक्रमांक.....

Sr. No. of Question Paper : 3122 **I**

Unique Paper Code : 2135000014

Name of the Paper : Philosophy of Yoga - GE

Name of the Course : **Common Prog. Group, G.E. : Sanskrit**

Semester : III

Duration : 3 Hours Maximum Marks : 90

Instructions for Candidates

1. Write your Roll. No. on the top immediately on receipt of this question paper.
2. Answer all questions.
3. Answers may be written in **Sanskrit, Hindi or English,** but the same medium should be used throughout the paper.

छात्रों के लिए निर्देश

1. इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए।

P.T.O.

2. सभी प्रश्न के उत्तर दीजिए।

3. इस प्रश्न-पत्र का उत्तर **संस्कृत या हिन्दी या अंग्रेजी** किसी एक भाषा में दीजिए, परन्तु सभी प्रश्नों के उत्तरों का माध्यम एक ही होना चाहिए ।

1. भारतीय दर्शन में योग दर्शन के महत्त्व को स्पष्ट कीजिए । (15)

Explain the importance of Philosophy of Yoga in Indian Philosophy.

अथवा / OR

आत्मज्ञान के संसाधनों का वर्णन कीजिए ।

Describe the resources of Self-knowledge.

2. योग दर्शन में 'अभ्यास' और 'वैराग्य' की भूमिका को स्पष्ट कीजिए। (15)

Explain the role of 'Abhyasa' and 'Vairagya' in the Philosophy of Yoga.

अथवा / OR

योग दर्शन में प्रतिपादित चित्तभूमियों का वर्णन कीजिए।

Describe the realms of mind as propounded in Yoga philosophy.

3. योग दर्शन के अनुसार 'क्रिया योग' क्या है? वर्णन कीजिए । (15)

Describe the" Kriya Yoga' according to Yoga Philosophy.

अथवा / OR

अष्टांग योग का वर्णन कीजिए ।

Describe "Astanga Yoga".

4. ''पंचकोश'' के महत्त्व को स्पष्ट कीजिए । (15)

Explain the Importance of "Pnachakosa".

अथवा / OR

श्री अरविंद के योगदर्शन-विषयक विचारों का उल्लेख कीजिए ।

Mention Shri Aurobindo's views on Yoga philosophy.